क्षेत्रीय सर्वेक्षण (रा0प्र0स0) अनुभाग

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के विषय से सम्बन्धित व्यापक सामाजार्थिक आंकड़े साँख्यिकीय प्रतिचयन विधि (Statistical Sampling method) द्वारा एकत्रित करने के लिये भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (रा0प्र0स0) का आरम्भ वर्ष 1950 से किया गया था। उ0प्र0 का अर्थ एवं संख्या प्रभाग राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एन0एस0ओ0), भारत सरकार से समन्वय रखते हुए समतुल्य प्रतिदर्श आधार पर वर्ष 1955 से राज्य प्रतिदर्श के रूप में आँकड़े एकत्रित करा रहा है। समस्त प्रदेश में उक्त से सम्बन्धित आँकड़ों के एकत्रीकरण हेतु प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित कराने, भारत सरकार से रिक्त अनुसूचियाँ तथा अनुदेश पुस्तिका भाग–1 व 2 मंगाकर जनपदों में वितरण करना, जनपद स्तर पर आंकड़ों का परिनिरीक्षण कराने, क्षेत्र में आंकड़ों की डाटा–इन्ट्री व वैलीडेशन कराने हेतु भारत सरकार से सॉफ्टवेयर प्राप्त कर कम्प्यूटर अनुभाग को उपलब्ध कराना, सर्वेक्षणकर्ताओं का निरीक्षण कराने तथा जनपदों से वैलीडेटेड आंकड़े प्राप्त कर समंक विधायन हेतु सम्बन्धित अनुभाग–विश्लेषण अनुभाग (रा0प्र0स0) व संगणक अनुभाग को उपलब्ध कराने आदि का दायित्व प्रभाग मुख्यालय पर क्षेत्रीय सर्वेक्षण (रा0प्र0स0) अनुभाग का है।

रा0प्र0स0–79वीं आवृत्ति

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (रा0प्र0स0)–79वीं आवृत्ति की सर्वेक्षण अवधि 01 जुलाई, 2022 से 30 जून, 2023 तक भारत सरकार द्वारा निर्धारित की गयी है। इस राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण–79वीं आवृत्ति के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य को आवंटित कुल 1692 प्रतिदर्श इकाईयो द्वारा निम्न समाजार्थिक विषय से सम्बन्धित आँकड़े एकत्रित कराया जाना है।

(1) **व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (Comprehensive Annual Modular Survey-CAMS)**

(2) **आयुष पर सर्वेक्षण (Survey on AYUSH)**

इस आवृत्ति के तकनीकी पहलुओं एवं सर्वेक्षण कार्य सम्बन्धी दिशा–निर्देशों से भिज्ञ कराने हेतु क्षेत्रीय मण्डलीय उपनिदेशकों तथा समस्त अर्थ एवं संख्याधिकारियों की 30 जून, 2022 व 01 जुलाई, 2022 को मुख्यालय, लखनऊ में दो दिवसीय **''राज्य स्तरीय प्रशिक्षण गोष्ठी''** आयोजित की गयी। तत्पश्चात शेष अन्य क्षेत्रीय अधिकारियों/कार्मिकों (अपर सॉख्यिकीय अधिकारी, सहायक सॉख्यिकीय अधिकारी) का मण्डल स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण–79वीं आवृत्ति का सर्वेक्षण तीन–तीन माह की 04 उपावृत्तियों में निम्न तालिका के अनुरूप विभक्त है :–

क्र0 स0	उपावृत्ति	आवंटित प्रतिदर्श इकाईयों की संख्या			अवधि	
		ग्रामीण	नगरीय	कुल	से	तक
1.	प्रथम उपावृत्ति	280	143	423	जुलाई 2022	सितम्बर 2022
2.	द्वितीय उपावृत्ति	280	143	423	अक्टूबर 2022	दिसम्बर 2022
3.	तृतीय उपावृत्ति	280	143	423	जनवरी 2023	मार्च 2023
4.	चतुर्थ उपावृत्ति	280	143	423	अप्रैल 2023	जून 2023
	कुल	**1120**	**572**	**1692**		

इस राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण–79वीं आवृत्ति से सम्बन्धित निम्नलिखित अनुसूचियाँ निर्धारित हैं:–

1. अनुसूची 00CM : परिवारो की सूची (List of Households)
2. अनुसूची CAMS2022–23 : व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (Comprehensive Annual Modular Survey-CAMS)
3. अनुसूची AYUSH2022–23 : आयुष पर सर्वेक्षण (Survey on AYUSH)

जनपदीय अर्थ एंव संख्याधिकारी, कार्यालय में तैनात प्रशिक्षित सहायक सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा रा0प्र0स0–79वीं आवृत्ति के अनुदेशों के अनुरूप राज्य प्रतिदर्श इकाईयों के भौगोलिक क्षेत्र (ग्रामीण / नगरीय) का सर्वेक्षण कार्य किया जाता है। सर्वेक्षण के दौरान इकाईयों के निरीक्षण एवं परिनिरीक्षणोपरान्त इकाईयों के संग्रहित आंकड़ों का भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये डाटा–इन्ट्री साफ्टवेयर पर डाटा–इन्ट्री एवं वैलीडेशन कार्य सम्पन्न किया जाता है।

उद्देश्य :–

(1) व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण

इस सर्वेक्षण का उद्देश्य वैश्विक सूचकांकों (Global Index) के कुछ एस.डी.जी. संकेतक (Sustainable Development Goal Indicator) और उप संकेतक (Sub Indicator) के लिए आवश्यक सूचनायें एकत्र किया जाना है। जिसके लिए इस सर्वेक्षण के माध्यम से सुरक्षित ढंग से प्रबन्धित सेवाओं (Managed Services) जैसे–पेयजल, स्वच्छता का प्रयोग करने वाली आबादी का प्रतिशत, प्रौद्योगिकी के अनुसार मोबाइल नेटवर्क द्वारा कवर की गयी आबादी का अनुपात, कम्प्यूटर रखने वाले परिवारों का प्रतिशत एवं इन्टरनेट का उपयोग करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत, किसी औपचारिक वित्तीय संस्था में खाता रखने वाले प्रौढ़ों व महिलाओं का प्रतिशत, सिविल प्राधिकरण में बच्चों के जन्म के पंजीकरण का आयु के अनुसार अनुपात, सार्वजनिक परिवहन तक सुविधाजनक पहुँच रखने वाली आबादी का अनुपात, औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में युवाओं की भागीदारी की दर, स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष, शिक्षा रोजगार व प्रशिक्षण में न रहने वाले (15 से 24 वर्ष) के युवाओं का अनुपात, अस्पताल में भर्ती होने पर स्वधन से चिकित्सा व्यय आदि के सम्बन्ध में सूचनाओं का संकलन किया जाना है।

(2) आयुष पर सर्वेक्षण

इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देंश्य लोगों में आयुष पद्धति (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा–रिग्पा, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी) के प्रति जागरूक आबादी का प्रतिशत एवं आयुष उपचार लेने के लिए अस्पताल में भर्ती आबादी का प्रतिशत, अस्पताल में भर्ती हुए रोगियों की व्याधियों की सूचनायें प्राप्त की जानी हैं। अस्पताल में भर्ती होने पर रोगी के उपचार के लिए आयुष पद्धति के अन्तर्गत उपयोग किये गये चिकित्सा (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा–रिग्पा, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी) की जानकारी एवं पिछले 365 दिनों के दौरान आयुष दवाओं / उपचार पर किये गये व्यय की सूचनायें एकत्र करना है। साथ ही प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल के लिए आयुष की दवाओं के उपयोग से सम्बन्धित सूचनायें एकत्र की जानी हैं जिसके निष्कर्षों के आधार पर आयुष पद्धति को लोगों के बीच और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण गोष्ठी के छायाचित्र